

हल्क पुं. (अर.हल्क) हलक, गला।

हल्का पुं. (अर.) क्षेत्र, हलाका।

हल्का/हलका वि. (देश.) 1. जो भारी न हो, कम भारी 2. मात्रा में अपेक्षाकृत थोड़ा, कम जैसे-पवन का हल्का झोंका 3. तुच्छ, निंदित जैसे-हल्के लोगों की बातें पर विश्वास नहीं करना चाहिए 4. सहज, सुगम जैसे- हल्का काम।

हल्द स्त्री. (देश.) हलदी।

हल्द-हाथ स्त्री. (देश.) विवाह के तीन या पाँच दिन पहले वर और कन्या के शरीर पर हल्दी लगाने की रस्म हल्दी चढ़ाना।

हल्दिया वि. (देश.) हल्दी के रंग का, पीला जैसे-हल्दिया वस्त्र।

हलफिया वि. (अर.हल्फी) शपथपूर्वक।

हल्फी वि. (अर.) शपथपूर्वक।

हल्य वि. (तत्.) 1. हल संबंधी 2. हलका 3. जो हल से जोता जा सके 4. भद्दा, कुरूप 5. फैलाने या विस्तृत करने योग्य।

हल्लक पुं. (तत्.) लाल कमल, रक्त कमल।

हल्लन पुं. (तत्.) 1. करवट बदलना 2. हिलना-डोलना।

हल्ला पुं. (अनु.) कोलाहल, शोर।

हल्ला-गुल्ला पुं. (अनु.) शोर-गुल।

हल्लित्र वि. (तत्.) जोर से हिलाने वाला पुं. वस्तुओं को हिलाकर मिलाने वाला यंत्र।

हल्लीश/हल्लीशक पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का संगीतप्रधान उपरूपक, जो एक ही अंक का होता है, जिसमें पात्र रूप में बातें करने वाला एक पुरुष और अन्य स्त्रियाँ होती हैं 2. एक प्रकार का नृत्य, जिसमें एक पुरुष और कई स्त्रियाँ घेरा बाँधकर नृत्य करती हैं।

हव पुं. (तत्.) 1. आहुति, बलि 2. अग्नि 3. चुनौती 4. आज्ञा, आदेश।

हवन पुं. (तत्.) 1. देवताओं को प्रसन्न करने के लिए अग्नि में घी, जौ आदि की आहुति देने की क्रिया, होम 2. अग्नि 3. अग्नि-कुंड।

हवनक वि. (अर.) उजड़, गँवार और मूर्ख।

हवनकुंड पुं. (तत्.) वह कुंड जिसमें हवन के समय आहुति डाली जाती है, होमकुंड।

हवनी स्त्री. (तत्.) 1. होम कुंड 2. सुवा।

हवनीय वि. (तत्.) वह (पदार्थ) जिसे आहुति के रूप में अग्नि में डालना हो जैसे- घी, जौ आदि पदार्थ जो हवन के लिए आवश्यक हैं।

हवलदार पुं. (अर.+फा.) 1. पुलिस या सेना का एक छोटा अधिकारी जिसके अधीन कुछ सिपाही रहते हैं 2. (मध्ययुग में) वह सैनिक अधिकारी जो राजकर की ठीक-ठीक वसूली और फसल की निगरानी के लिए नियुक्त होता था।

हवस स्त्री. (अर.) 1. तीव्र इच्छा या लालसा। 2. ऐसी प्रबल शारीरिक, मानसिक इच्छा जिसकी संतुष्टि बराबर या बार-बार की जाती हो पर फिर भी जो और अधिक संतुष्टि के लिए उत्कट रूप धारण किए रहती हो मुहा. हवस निकलना-लालसा या इच्छा पूरी होना; हवस निकालना-लालसा पूरी करना।

हवा स्त्री. (अर.) 1. प्रायः संचरित रहने वाला वह विश्वव्यापी तत्व जो विश्व की रचना और प्राणियों के जीवन के लिए अनिवार्य है, इसी के कारण समस्त प्राणी साँस लेते हैं, सृष्टि के पाँच प्रमुख तत्वों- पृथ्वी, आकाश, जल, अग्नि आदि तत्वों में से एक 2. रसा. हवा आक्सीजन, नाइट्रोजन आदि गैसों का वह मिश्रण जो पूरे पृथ्वीमंडल को घेरे हुए है और जिसमें प्राणी साँस लेते हैं 3. भूत-प्रेत आदि वायवीय शरीर वाले सूक्ष्म प्राणी अथवा उनका मनुष्य आदि पर अशुभ प्रभाव प्रयो. बच्चे को कोई रोग नहीं है केवल हवा का प्रभाव है 4. अच्छी या बुरी संगति प्रयो. आजकल के बच्चों पर गली-मुहल्लों की हवा का प्रभाव बहुत जल्दी पड़ता है 5. अफवाह प्रयो. एक घंटे में यह हवा फैल गई कि